पशु रोग मुक्त क्षेत्र

प्रलिम्सि के लयि:

पशु रोग मुक्त क्षेत्र, पशुपालन, वशि्व पशु स्वास्थ्य संगठन (OIE), राष्ट्रीय पशु रोग नयिंत्रण कार्यक्रम, खुरपका-मुँहपका रोग (FMD) और ब्रुसेलोससि, राष्ट्रीय पशुधन मशिन पशुपालन अवसंरचना वकिास कोष, कसिान उत्पादक संगठन (FPO), कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद नरि्यात वकिास प्राधकिरण।

मेन्स के लयि:

पशुपालन का अर्थशास्त्र, कसिानों की आय बढ़ाना।

चर्चा में क्यों?

मूल्यवर्द्धति मांस उत्पादों के नरि्यात को बढ़ावा देने के लयि भारत सरकार ने हतिधारकों से देश में क्षेत्र-वशिषि्ट 'पशु रोग मुक्त क्षेत्रों' के नरि्माण की दशिा में काम करने का आह्वान कयिा है।

पशु रोग मुक्त क्षेत्र क्या है?

- 'पशु रोग-मुक्त क्षेत्र' का अर्थ एक ऐसे स्पष्ट रूप से परभिाषति हसि्से से है, जहाँ कसिी वशिषि्ट बीमारी के संबंध में एक वशिषि्ट स्वास्थ्य स्थति वाली पशु जनसंख्या मौजूद होती है और जहाँ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के उद्देश्य हेतु आवश्यक नगिरानी, नयिंत्रण एवं जैव सुरक्षा उपायों को लागू कयिा जाता है।

'पशु रोग मुक्त क्षेत्र' बनाने की आवश्यकता:

- **पशुपालन का महत्त्व:** पशु हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लयि जीवन समर्थन प्रणाली हैं, वे कठनि समय में जीवकिा प्रदान करते हैं और पोषण, वशिेष रूप से ग्रामीण लोगों के लयि प्रोटीन का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं।
    - पशुपालन मशि्रति कृषि पद्धतयिों के अंतर्गत आता है।
    - मशि्रति खेती एक ऐसी कृषि प्रणाली है, जसिमें एक कसिान वभिनि्न कृषि पद्धतयिों को एक साथ अपनाता है, जैसे कि नकिदी फसलें उगाना और पशुपालन।
    - इसका उद्देश्य ऐसे वभिनि्न स्रोतों के माध्यम से आय में वृद्धि करना और वर्ष भर भूमि एवं श्रम की मांग को पूरा करना है।
- **कृषि नरि्यात:** जैवकि शहद और मछली उत्पादों के नरि्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हासलि करते हुए भारत गोजातीय (Bovine) मांस का सबसे बड़ा नरि्यातक है।
- **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना:** वशि्व पशु स्वास्थ्य संगठन (OIE) के अनुसार, ज़ोनगि पशु रोगों के प्रगतशिील नयिंत्रण एवं उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लयि गारंटी प्रदान करने हेतु एक महत्त्वपूर्ण जोखमि प्रबंधन रणनीति है।

सरकार द्वारा की गई संबंधति पहलें:

- **राष्ट्रीय पशु रोग नयिंत्रण कार्यक्रम:**
    - इसका उद्देश्य देश में पशुओं के बीच खुरपका-मुँहपका रोग (FMD) और ब्रुसेलोससि को नयिंत्रति करना है।
- राष्ट्रीय पशुधन मशिन (NLM):
    - यह अच्छी गुणवत्ता वाले मांस का उत्पादन करने के लयि पशु फार्म स्थापति करने की परकिल्पना करता है तथा इस प्रकार गुणवत्ता वाले मूल्यवर्द्धति उत्पादों का उत्पादन करता है।
- पशुपालन अवसंरचना वकिास कोष (AHIDF):
    - यह सरकार द्वारा जारी कयिा गया पहला बड़ा फंड है, जसिमें कसिान उत्पादक संगठन (Farmer Producer Organization), नजिी डेयरी उद्यमी, व्यक्तगित उद्यमी और इसके दायरे में आने वाले अन्य हतिधारक शामलि हैं।

- कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA):
  - **APEDA** की स्थापना भारत सरकार द्वारा कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1985 के तहत की गई थी।
  - यह मानकों और विशिष्टताओं को निर्धारित कर **पैकेजिंग, विपणन रणनीतियों में सुधार का सुझाव और समर्थन, निर्यात के लिये उत्पादों के विकास की सुविधा, निर्यात क्षेत्रों की स्थापना करके कृषि एवं प्रसंस्कृत उत्पादों** के निर्यात को बढ़ावा देता है।

आगे की राह

- **सिक्किम मॉडल: जैविक राज्य के रूप में घोषित** सिक्किम **के जैविक मॉडल** का सभी राज्यों में अनुकरण किया जाना चाहिये।
- **पशु चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार:** क्षेत्रीय स्तर पर कार्यान्वयन और प्रभावशीलता पशु चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।
- **अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण:** बाहरी बाज़ारों से लाभ उठाने, रोग मुक्त क्षेत्रों की द्विपक्षीय मान्यता में वृद्धि करने जैसे द्विपक्षीय पशु चिकित्सा समझौते या मुक्त व्यापार समझौते, व्यापारिक साझेदार देशों द्वारा लागू किये जाने वाले स्पष्ट क्षेत्रों और प्रक्रियाओं को स्थापित करते हैं।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्षों के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-सी मिश्रित खेती की प्रमुख विशेषता है? (2012)

(a) नकदी और खाद्य दोनों फसलों की साथ-साथ खेती
(b) दो या दो से अधिक फसलों को एक ही खेत में उगाना
(c) पशुपालन और फसल-उत्पादन कार्य एक साथ करना
(d) उपर्युक्त मे से कोई नही

उत्तर: (c)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/animal-disease-free-zones